पुस्तिका सं.- 4/2020

खूँटी ईख की खेती का आर्थिक विश्लेषण

ईख अनुसंधान संस्थान

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर

किसान मेला-2020

मुरहन फसल की तुलना में खूँटी फसल की खेती आसान एवं उत्पादन खर्च करीब 30 प्रतिशत कम है, क्योंकि खूँटी ईख में खेत की तैयारी, बीज एवं रोपनी का खर्च बच जाता है। ईख के कुल क्षेत्रफल का करीब 50 प्रतिशत क्षेत्र में खूँटी ईख की खेती की जाती है किन्तु प्रबंधन व्यवस्था की ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जाता है। जिससे उसकी उपज 45 टन प्रति हेक्टेयर ही ली जाती है, विश्व के कुछ देशों में जैसे मॉरीशस एवं क्यूबा में 4 से 6 खूँटी की खेती लोकप्रिय है। कम समय में सही उपज एवं गुणवत्ता होते हुए इस फसल की उपज काफी कम है, जिसका मुख्य कारण इस फसल को किसानों द्वारा द्वितीय श्रेणी का फसल मानना है, जिससे किसानों को भारी नुकसान होता है। अनुशंसित तकनीक द्वारा खूँटी फसल की उपज मुरहन फसल के समान ली जा सकती है।

इस आलेख में खूँटी ईख प्रबंधन हेतु अनुशंसित लागत–आय का प्रति हेक्टेयर विस्तृत व्यौरा दिया जा रहा है, जिसे ईख उत्पादक अमल में लाकर खेती से दुगनी आय प्राप्त कर सकते हैं।

फसल एवं प्रभेद :

स्वस्थ मुरहन फसल जिसमें पौधे की पर्याप्त संख्या हो, खूँटी ईख फसल के लिए उपयुक्त है। ईख के व्यवसायिक खेती के सभी अनुशंसित प्रभेद खूँटी फसल के लिए उपयुक्त है। अगात प्रभेदों में बी0 ओ0 145, सी0 ओ0 पी0 112, सी0 ओ0 पी0 9301, बी0 ओ0 139 प्रभेद प्रमुख है। मध्य पिछात प्रभेदों में बी0 ओ0 91, बी0ओ0 154, सी0 ओ0 पी0 2061, सी0 ओ0 पी0 9302 अनुशंसित प्रभेद है।

खूँटी ईख की छँटनी एवं मेड़ तोड़ना :

गन्ना काटने के बाद अवशेष भाग के उपर पोरों से निकले कल्लों, शाखाओं (Stubble shaving) को काट देना चाहिए, इससे कल्ले स्वस्थ एवं समान रूप

से निकलते हैं। इस कार्य में 25 मजदूर लगते हैं जो कि 336/– रू0 प्रति मजदूर की दर से 8400/– रू0 खर्च होता है।

मेड़ों को तोड़कर खूँटी को बचाते हुए अच्छी जुताई करें, जिसमें चार जोड़े हल–बैल हेतु कुल खर्च 1400/– रू0 आता है।

मिट्टी एवं खूँटी उपचार :

मेड़ तोड़ने के बाद 200 क्विंटल कम्पोस्ट, प्रति हेक्टेयर के दर से छीटकर देशी हल से जोतकर मिला दें, इस कार्य में 60/–रू0 प्रति क्विंटल कम्पोस्ट की कीमत 12000/– रू0 आयेगा। खूँटी के कटे भाग पर आवश्यकतानुसार रसायनिक दवा का प्रयोग करें, इस कार्य हेतु कुल मजदूरी सहित 7344/–रू0 खर्च होता है।

खाली जगहों को भरना :

खूँटी में लगभग 38240 झुंड प्रति हेक्टेयर होना चाहिये। झुड़ों की संख्या कम होने पर उपज में कमी आती है। दो झुड़ों के बीच खाली स्थान को उसी प्रभेद के अंकुरित झुड़ से भर दें, इससे कुल खर्च 2800/– रू0 आता है।

रासायनिक खाद :

खूँटी के छटाई के तीन सप्ताह बाद ही रासायनिक खाद का व्यवहार करें, खूँटी ईख फसल के लिए यूरिया 325 कि0 ग्रा0, डी0 ए0 पी0 110 कि0 ग्रा0 एवं एम0 ओ0 पी0 100 कि0 ग्रा0 प्रति हेक्टेयर के दर से अनुशंसित है। इस कार्य हेतु उपरोक्त वर्णित तालिका के आधार पर खाद प्रयोग हेतु आवश्यक मजदूर सहित कुल खर्च 9738/–रू0 आता है।

सिंचाई एवं निकाई–गुड़ाई :

मुरहन फसल की तुलना मे खूँटी फसल में सिंचाई पर अधिक ध्यान दें। साधारणतया 3 सप्ताह के अन्तराल पर मानसून की बरसात के पहले तक सिंचाई देते रहना चाहिये। इस प्रकार कम से कम

9000/–रू0 आता है। यदि सिंचाई हेतु मजदूरी खर्च जोड़ दें तो कुल खर्च 11,688/–रू0 आयेगा।

प्रत्येक सिंचाई के बाद निकाई–गुड़ाई करना लाभदायक होता है। दो कतारों के बीच खरपतवार निकालने में 25 मजदूर लगते हैं, इसमें कुल खर्च 8400/– रू0 आता है। इसके बाद हल–बैल द्वारा दो अर्न्तकर्षण एवं मिट्टी चढ़ाने में प्रति हेक्टेयर 3500/–रू0 खर्च आता है।

स्तम्भन (बंधाई) :

मुरहन फसल के समान ही अनुशंसित पत्ती–रस्सी विधि द्वारा स्तम्भन करना चाहिए। क्योंकि ईख गिरने से चीनी तथा उपज दोनों प्रभावित होता है। इस कार्य में 60 मजदूर लगते हैं तथा कुल खर्च 20160 प्रति हेक्टेयर आता है।

ईख को काटने एवं वाहन पर चढ़ाने का खर्च 18/– रू0 प्रति क्विंटल की दर से 16,200/–रू0 आता है क्योंकि खूँटी ईख का उत्पादन एक हेक्टेयर में 900 क्विंटल होता है और इसका किराया बीस कि0मी0 दूरी तक ढ़ोने का खर्च 23/–रू0 प्रति क्विंटल की दर से 20,700/– रू0 आता है।

आय–व्यय का अनुपात :

इस तरह खूँटी ईख के उत्पादन में कुल परिवर्तनीय लागत 139490/–रू0 आता है। गन्ने का उत्पादन एक हेक्टेयर में लगभग 900 क्विंटल होता है, जिससे कुल आय 2,79,000/–रू0 प्राप्त होता है। अतः खूँटी ईख की खेती करने पर परिवर्तनीय लागत पर 139510/–रू0 का शुद्ध बचत होता है।

इस प्रकार अनुशंसित सस्य क्रियाओं द्वारा एक रू0 लगाते है तो लगभग 2.22 रू0 का मुनाफा होता है साथ ही मुरहन फसल की तुलना मे खँटी फसल से अच्छी मुनाफा ले सकते हैं।

खूँटी ईख की खेती में प्रति हेक्टेयर अनुमानित लागत

क्रमांक	विवरण	भौतिक मात्रा	मात्रा की दर (रू0 में)	अनुमानित कुल लागत (रूपया में)
				खूँटी फसल
1	**खूँटी ईख प्रबंधन**			
	(क) खूँटी ईख की छटनी एवं मिट्टीचोहाई	25 मजदूर	336 रू0/मजदूर	8400.00
	(ख) हल-बैलका खर्च	4 जोड़ा	350/जोड़ा	1400.00
	(ग) ईख बीज की मात्रा, गैप फिलिंग हेतु	7 क्विंटल	400 रू0/क्विं0	2800.00
	कुल खर्च			12600.00
2	**खूँटी उपचार**			
	(क) थीमेट	15 कि0ग्रा0	90 रू0/कि0ग्रा0	1350.00
	(ख) कार्बोफ्यूरॉन	33 कि0ग्रा0	80 रू0/कि0 ग्रा0	2640.00
	(ग) आवश्यकतानुसार पौधा संरक्षण	-		2000.00
	(घ) दवा प्रयोग हेतु आवश्यक मजदूर	4 मजदूर	336 रू0/मजदूर	1344.00
	कुल खर्च			**7334.00**
3	**खूँटी फसल हेतु खाद की मात्रा में खर्च**			
	(क) जैविक खाद	200 क्विं	60/क्विंटल	12000/-
	(ख) यूरिया (3 बार)	325 कि0ग्रा0	6 रू0/कि0ग्रा0	1950.00
	(ग) डी0 ए0 पी0	110 कि0ग्रा0	30 रू0/कि0ग्रा0	3300.00
	(घ) एम0 ओ0 पी0	100 कि0 ग्रा0	18 रू0/कि0ग्रा0	1800.00
	(ङ) खाद प्रयोग हेतु आवश्यक मजदूर	8 मजदूर	336 रू0/मजदूर	2688.00
	कुल खर्च			9738.00
4	**सिंचाई हेतु मजदूर**			
	(क) खूँटी हेतु सिंचाई	4 सिंचाई (15 घंटाप्रति संचाई)	2250 रू0/ सिंचाई	9000.00
	(ख) खूँटी सिंचाई हेतु मजदूर	8 मजदूर	336 रू0/मजदूर	2688.00
	कुल खर्च			**11688.00**
5	**खरपतवार नियंत्रण एवं अन्तर्कर्षण**			
	(क) दोकतारों की बीच खरपतवार निकालना	25 मजदूर	336 रू0/जोड़ा	8400.00
	(ख) पंचफारा द्वारा दो अन्तर्कर्षण हेतु हल-बैल	6 जोड़ा	350 रू0/जोड़ा	2100.00
	(ग) मिट्टी चढ़ाने हेतु बैलों की आवश्यकता	4 जोड़ा	350 रू/जोड़ा	1400.00
	कुल खर्च			11940.00
6	**ईख स्तम्भन का खर्च**	60 मजदूर	336 रू0/मजदूर	20160.00
	(क) ईख काटने एवं चढ़ाने का खर्च		18 रू0/क्विं0	16200.00
	(ख) बीस कि0 मी0 की दूरी तक ढ़ोने का खर्च		23 रू0/क्विं0	20700.00
	कुल खर्च			**57060.00**
7	**कुल खर्च (रू0/हे0)**			**122360.00**
	कुल खर्च क ब्याज छः महीनों के लिए (14 प्रतिशत की दर से)			**17130.00**
	कुल परिवर्तनीय लागत			**139490.00**

8	(क) भूमि का किराया (रू0)	–	**40000.00**
	(ख) मूल्य ह्रास (रू0)	–	**950.00**
	कुल लागत में (रू0 / हे0)	–	**166760.00**
	अनुमानित उपज (क्विंटल / हे0)	–	**900.00**
	• ईख के उत्पादन में प्रति क्विंटल लागत	–	**185.00**
	• कुल लाभ (रू0 मे)	–	**279000.00**
	• शुद्ध लाभ (परिवर्तनीय लागत पर)	–	**139510.00**
	• शुद्ध लाभ प्रति रूपया लागत पर	–	**2.22**
	• शुद्ध लाभ (कुल लागत पर)	–	**112240.00**

अतः किसान भाईयों से आग्रह है कि दो या दो से अधिक खूँटी की फसल लेकर बार–बार जुताई एवं बीज दर पर आने वाले खर्च को कम करके ईख की खेती से अधिक लाभ अर्जित कर सकते है।

उन्नत खेती बढ़िया दाम।
गन्ना बोये चतुर किसान ।।

* * *

आलेख : **डॉ0 शिवपूजन सिंह एवं डॉ0 नवनीत कुमार**
ईख अनुसंधान संस्थान,
पूसा, समस्तीपुर

संपादन : **डॉ0 कुमार राज्यवर्धन**
प्रभारी प्रकाशन प्रभाग

प्रकाशक : **डॉ0 ए0 के0 सिंह**, निदेशक
ईख अनुसंधान संस्थान,
पूसा, समस्तीपुर

संपर्क सूत्र : **डॉ0 शिवपूजन सिंह**
मो0 – 9934790259